दिनांक 26 जून, 2019 को आर्यभट्ट सभागार, राँची में ''कल्याण सम्मान समारोह, 2019 के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिन्दुः-

- माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, 2019 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले में कल्याण विभाग अन्तर्गत विद्यालयों/छात्र-छात्राओं/शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित ''कल्याण सम्मान समारोह'' में आप सभी मध्य सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।
- कल्याण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में निहित प्रतिभा को प्रखर करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रकार के सम्मान समारोह सराहनीय है। मैं उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले छात्र-छात्राओं के साथ उनके शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को भी बधाई देती हूँ।
- आवासीय के छात्र-छात्राएँ किसी तरह से कमजोर नहीं हैं। वे हर क्षेत्र यथा पढ़ाई के साथ खेलकूद, कला-संस्कृति में भी आगे हैं। बच्चों की प्रतिभा कों आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। सरकार की ओर से राज्य में भविष्य संवारने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं जिसमें समाज के सभी नागरिकों के सहयोग की आवश्यकता है।
- मैं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों के साथ कल्याण विभाग द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों यथा एकलव्य एवं आश्रम विद्यालयों सहित अन्य का अवलोकन करने निरंतर

जाती हूँ। छात्र–छात्राओं से मिलकर संवाद स्थापित करती हूँ और उन्हें पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करने की कोशिश करती हूँ।

- मैं अनुभव के आधार पर गर्व से कह सकती हूँ कि झारखण्ड राज्य के बच्चे बहुत होनहार हैं। चाहे वह सरकारी विद्यालय में पढ़ते हों अथवा निजी। मेधा तो है लेकिन सही दिशा प्रदान करने की आवश्यकता होती है। इसमें सबसे बड़ा सहायक तत्व है– आत्मबल एवं मजबूत इरादे। ये यदि नहीं होंगे तो आप कहीं भी पढ़ रहे होंगे तो लक्ष्य हासिल नहीं कर पायेंगे। वहीं जो आत्मबल एवं मजबूत इरादे के साथ आगे बढ़ेंगे, वे निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त करेंगे।
- हमारे राज्य ही नहीं, देश के भी विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करनेवाले बच्चों ने अपनी प्रतिभा से स्वयं के साथ–साथ अपने समाज एवं राज्य को गौरवान्वित करने का कार्य किया है।
- इसलिए आप शिक्षा कहीं से भी ग्रहण कर रहे हों, ये मायने नहीं रखता है। मायने रखता है तो वह है आपका आत्मबल, पढ़ने के प्रति उत्साह, लक्ष्य हासिल करने के लिए ललक और राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा कुछ करने का जज्बा।
- राज्य के सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चे शिक्षा के साथ विभिन्न क्षेत्रों में अत्यन्त ही प्रतिभावान है। वे परिश्रमी हैं तथा विपरीत परिस्थिति में भी अच्छा कर कर रहे हैं।

उनमें हर क्षेत्र, चाहे वह खेल हो या कला, में असीम प्रतिभा है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है। मैंने उन्हें स्वयं निकट से देखा है।

- आशा है कि इस प्रकार के समारोह बच्चों को और सकारात्मक दिशा और नई ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करेगा। मेरे अनुसार, इन बच्चों को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने की ओर भी प्रयास करना होगा। उन्हें विद्यालय में शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ यह भी बताने की आवश्यकता है कि ये अभी से समाज को क्या दे सकते हैं?

जय हिन्द! जय झारखण्ड!